पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

खण्ड–XXX अंक–21 15 नवम्बर, 2025

जौं बालक कह तोतरि बाता। सुनहिं मुदित मन पितु अरु माता।।
हँसिहहिं कूर कुटिल कुबिचारी। जे पर दूषन भूषनधारी।।

जैसे बालक जब तोतले वचन बोलता है तो उसके माता–पिता उन्हें प्रसन्न मन से सुनते हैं। किन्तु क्रूर, कुटिल और बुरे विचार वाले लोग जो दूसरों के दोषों को ही भूषण रूप से धारण किये रहते हैं। (अर्थात् जिन्हें पराये दोष ही प्यारे लगते हैं), हँसेंगे।

–श्रीरामचरितमानस/5

स्वागत

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt-1/2025/464035 दिनांक 11.11.2025 के अनुसार **प्रो. संकल्प तिवारी** ने 06.11.2025 से संस्थान के अनुप्रयुक्त यांत्रिकी विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–12 में सहायक प्रोफेसर ग्रेड–I के रूप मे कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. संकल्प तिवारी को उनकी नियुक्ति के तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt-1/2025/462651 दिनांक 06.11.2025 के अनुसार **प्रो. नीलाक्षी येन** ने 30.10.2025 से संस्थान के डिजाइन विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–12 में सहायक प्रोफेसर ग्रेड–I के रूप मे कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. नीलाक्षी येन को उनकी नियुक्ति के तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt-1/2025/462586 दिनांक 06.11.2025 के अनुसार **प्रो. पारस सचदेवा** ने 31.10.2025 से संस्थान के प्रबंध अध्ययन विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–11 में सहायक प्रोफेसर ग्रेड–II के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. पारस सचदेवा को उनकी नियुक्ति के तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग–II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt-2/2025/463697 दिनांक 10.11.2025 के अनुसार **श्री ब्रहम जीत** ने 23.10.2025 से संस्थान मे सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–06 में कनिष्ठ अधीक्षक (आथित्य) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से छात्र कार्य अनुभाग में नियुक्त किया गया है।

- स्थापना अनुभाग–II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt-2/2025/461630 दिनांक 03.11.2025 के अनुसार **श्री गुरदीप सिंह** ने 23.10.2025 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–06 में कनिष्ठ अधीक्षक (आथित्य) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से संकायाध्यक्ष (छात्र कार्य) अनुभाग में नियुक्त किया गया है।

- स्थापना अनुभाग– II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt-2/2025/459962 दिनांक 28.10.2025 के अनुसार **श्री गौरव शर्मा** ने 15.10.2025 से संस्थान मे सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–06 में कनिष्ठ इंजीनियर (विद्युत) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से निर्माण अनुभाग में नियुक्त किया गया है।

ओपन हाउस 2025

आई.आई.टी. दिल्ली में ओपन हाउस का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों, इंडस्ट्रीज और वित्त पोषण एजेंसियों के समक्ष अत्याधुनिक शोध और नवीन परियोजनाओं का प्रदर्शन किया गया।

ओपन हाउस का 18वां संस्करण 08 नवंबर, 2025 को आयोजित किया गया था। विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के वरिष्ठ विद्यार्थियों, उनके शिक्षकों, इंडस्ट्रीज और वित्त पोषण एजेंसियों के प्रतिनिधियों सहित लगभग 3500 आगंतुकों ने संस्थान का अवलोकन करने के लिए ओपन हाउस में भाग लिया। आगंतुकों ने अभूतपूर्व शोध, नवीन परियोजनाएँ और वैज्ञानिक पोस्टरों की प्रदर्शनी देखी।

ओपन हाउस में 200 से अधिक वैज्ञानिक पोस्टर और लाइव डेमो तथा 20 प्रयोगशालाएं प्रदर्शित की गईं, जिनमें कंप्यूटर विज्ञान और ए.आई. से लेकर रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा तक के विविध क्षेत्रों में अत्याधुनिक शोध पर प्रकाश डाला गया; जो नवाचार, सहयोग और राष्ट्रीय विकास के लिए नए अवसर प्रदान करते हैं।

ओपन हाउस 2025 में 10 विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिनमें स्वास्थ्य सेवा, जैव प्रौद्योगिकी; विनिर्माण, इंडस्ट्रीज 4.0 और रोबोटिक्स; स्मार्ट और सतत बुनियादी ढांचा; उन्नत सामग्री और उपकरण; ऊर्जा, जलवायु और स्थिरता; क्वांटम और सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकियां; नेक्स्ट जनरेशन कम्युनिकेशन; प्रबंधन, नीति, सामाजिक विज्ञान; एआई–एमएल/डेटा विज्ञान/ एल्गोरिदम; और मौलिक विज्ञान शामिल था।

मुख्य अतिथि, पद्मश्री प्रोफेसर आशुतोष शर्मा, पूर्व डीएसटी सचिव, ने ओपन हाउस 2025 में "व्हाट मेक्स साइंस एंड टेक्नोलॉजी वर्क (और नोट)" शीर्षक पर व्याख्यान दिया।

ओपन हाउस में बोलते हुए, आई.आई.टी. दिल्ली के निदेशक, प्रो. रंगन बनर्जी ने कहा, "हम शिक्षा, शोध और नवाचार के माध्यम से प्रभाव बढ़ाने के अपने लक्ष्य के लिए उद्योग और समाज के साथ दीर्घकालिक साझेदारी विकसित करने के इच्छुक हैं। आज का ओपन हाउस हमारे मौजूदा शोध और सहयोग को प्रदर्शित करता है। हमें उम्मीद है कि इससे आपसी लाभ के लिए बेहतर साझेदारी विकसित होगी। इस ओपन हाउस में भाग लेने के बाद छात्र भी रोमांचक शोध भविष्य की संभावनाओं का पता लगा सकते हैं।"

ओपन हाउस में, आई.आई.टी. दिल्ली के प्रो. सुनील झा (यांत्रिकी इंजीनियरी) ने "ए.आई., रोबोटिक्स एंड फ्यूचर ऑफ़ मैन्युफैक्चरिंग" शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया। प्रो. अनुराग एस. राठौर (रसायनिक इंजीनियरी) ने "ऑप्रचुनिटीज फॉर कंट्रीब्युटिंग टू दि इंडियन बायोटेक इकोसिस्टम" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

आरोग्य स्वास्थ्य वार्ता श्रृंखला का आयोजन (सत्र-8)

आई.आई.टी. दिल्ली अस्पताल से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आई.आई.टी. दिल्ली अस्पताल और अकादमिक आउटरीच कार्यालय अपने स्वास्थ्य जागरूकता पहल आरोग्य स्वास्थ्य वार्ता श्रृंखला के 8वें सत्र की घोषणा की है, यह सत्र **''ऑस्टियोपोरोसिस को समझना : रोकथाम, प्रारंभिक पहचान और समग्र देखभाल''** विषय पर एक ज्ञानवर्धक स्वास्थ्य वार्ता है।

विषय:–ऑस्टियोपोरोसिस को समझना
वक्ताः डॉ. भावुक गर्ग, प्रोफेसर, हड्डी रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली
दिनांक: 27 नवंबर, 2025 (बृहस्पतिवार)
समय: शाम 4:00 बजे
स्थान: सेमिनार हॉल, आई.आई.टी. दिल्ली

सत्र की मुख्य बातें:–

- ऑस्टियोपोरोसिस के कारणों और लक्षणों को समझना।
- जीवनशैली और आहार प्रबंधन।
- शीघ्र निदान और समय पर उपचार का महत्व।

मुख्य विषय

- ऑस्टियोपोरोसिस क्या है? – अवलोकन और जोखिम कारक।
- ऑस्टियोपोरोसिस के लिए देखे जाने वाले संकेत और लक्षण।
- पोषण, व्यायाम और तनाव प्रबंधन की भूमिका।
- आधुनिक उपचार विकल्प और निवारक उपाय।
- रोगियों और देखभाल करने वालों की सहायता करना।
- सभी संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, छात्रों और समुदाय सदस्यों को इसमें भाग लेने और ऑस्टियोपोरोसिस को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और रोकने के लिए बहुमूल्य जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

पंजीकरण लिंक:
https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSdAobyVtPa7ccZrAwMwRH7KJqt5N1I9k63UNuOj58Zi1MrV1A/viewform?usp=header

आई.आई,टी. दिल्ली में बी.टेक. (प्रथम वर्ष) के विद्यार्थियों ने वास्तविक दुनिया की समस्याओं से निपटने के लिए अपना कौशल (स्किल्स) दिखाया।

आई.आई,टी. दिल्ली में बी.टेक. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने 15 नवंबर, 2025 को एक खास दिन के रूप में मनाया, जब उन्होंने लगभग 140 रिसर्च–बेस्ड प्रोटोटाइप बनाकर अपने नवीन कौशल को प्रदर्शित किया।

'MEP1001: मैन्युफैक्चरिंग फॉर प्रोडक्ट इनोवेशन' कोर्स सफलतापूर्वक पूरा करने वाले लगभग 700 यू.जी. विद्यार्थी संस्थान के लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स में मैन्युफैक्चरिंग इनोवेशन शो 2025 का हिस्सा थे। इस आयोजन में वास्तविक दुनिया की समस्याओं को नए समाधानों से सुलझाने पर फोकस करने वाले विभिन्न प्रोजेक्ट्स दिखाए गए।

आई.आई,टी. दिल्ली के इन युवा वैज्ञानिकों ने अपने प्रोजेक्ट्स पर काम करने के लिए कई टीमें बनाईं और कोर्स में मिली जानकारी से अपने क्रिएटिव कॉन्सेप्ट्स को वर्किंग प्रोटोटाइप में बदल पाए।

आई.आई,टी. दिल्ली के निदेशक, प्रो. रंगन बनर्जी ने मैन्युफैक्चरिंग इनोवेशन शो के बारे में बात करते हुए कहा, "हम अपने विद्यार्थियों को "करके सीखने" पर बढ़ावा देते हैं। यह शो हमारे बी.टेक. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के नवाचार और काबिलियत को दर्शाता है। मैं हमारे युवा छात्रों के मनोबल से उत्साहित हूं। ये विद्यार्थी भविष्य के इनोवेटर हैं जो आत्मनिर्भर भारत बनाने में योगदान देंगे।"

आई.आई,टी. दिल्ली के यांत्रिकी इंजीनियरी विभाग में MEP1001 कोर्स के समन्वयक और संकाय प्रो. सुनील झा ने कहा, "मैन्युफैक्चरिंग इनोवेशन शो ने आई.आई,टी. दिल्ली से उभरते मैन्युफैक्चरिंग और प्रोडक्ट डिज़ाइन के भविष्य की पहली झलक दिखाई।"

आई.आई.टी. दिल्ली ने श्रद्धांजलि और प्रेरणा देने वाले संवादों के साथ जनजातीय गौरव दिवस मनाया।

आई.आई.टी. दिल्ली में भगवान बिरसा मुंडा प्रकोष्ठ (BBMC) ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के सम्मान में और भारत के आदिवासी समुदायों की समृद्ध विरासत और योगदान का जश्न मनाने के लिए एक यादगार परस्पर वार्ता सत्र आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम साल भर चलने वाले जनजातीय गौरव वर्ष पहल का हिस्सा है, जो 15 नवंबर, 2024 से 15 नवंबर, 2025 तक मनाया गया।

5 नवंबर, 2025 को हुए इस कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और फूल चढ़ाकर हुई। इस कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि और संकाय सदस्य शामिल थे, जिनमें– प्रो. ए. के. नेमा (उप निदेशक, आई.आई.टी. दिल्ली); प्रो. दीपक कुमार, संकायाध्यक्ष, (समावेशन एवं विविधता कार्यालय); विशिष्ट अतिथि श्री आर्मस्ट्रांग पामे, आई. ए.एस., उच्च शिक्षा विभाग में संयुक्त सचिव, भारत सरकार; मुख्य वक्ता, प्रो. त्सेरिंग नूरबू, आई.आई.टी. दिल्ली; और और प्रो. विवेक कुमार, (समन्वयक बी.बी. एम.सी., एवं अध्यक्ष, सी.आर.डी.टी.) उपस्थित थे। विद्यार्थी कलाकारो ने दिल छू लेने वाला गाना "वंदे मातरम" गाया, जिसमें म्यूज़िक के ज़रिए अलग–अलग तरह की चीज़ों में एकता का जश्न मनाया गया।

प्रो. विवेक कुमार (समन्वयक, बी.बी.एम. सी.) ने प्रकोष्ठ की भूमिका और महत्व के बारे में बताया और इमर्शन एक्टिविटीज़ के ज़रिए सामुदायिक कार्यों में बदलाव लाने वाली भूमिका के बारे में बताया।

कीनोट स्पीकर प्रो. त्सेरिंग नूरबू ने लद्दाख की आदिवासी विरासत और ज्ञान से जुड़ी दार्शनिक बातें साझा की। उन्होंने श्रोताओं को लद्दाख में स्थानीय ज्ञान–मीमांसा और प्रकृति के व्यवहार से परिचित करवाया और आदिवासी दुनिया को देखने के नज़रिए की दार्शनिक गहराई पर जोर दिया।

इसके बाद आई.ए.एस., श्री आर्मस्ट्रांग पामे जो अपने जनसाधारण कार्य और कम्युनिटी–ड्रिवन डेवलपमेंट के लिए जाने जाते हैं द्वारा निजी और ज्ञानवर्धक बाते बताई गई। समुदाय संचालित नेतृत्व–लचीलेपन एवं जनजातीय सशक्तीकरण पर दशको से उनके द्वारा अनुभव किये गए विचार श्रोताओं के दिलों में गहराई से उतर गए।

शाम की शुरुआत एक शानदार बैम्बू डांस (चेराव) नृत्य से हुई जो मिज़ोरम का एक लोकप्रिय पारम्परिक नृत्य था, जिसे वनवासी कल्याण आश्रम के विधार्थियों द्वारा किया गया। इसके बाद अतुल्य भारत ने एक शानदार सामूहिक प्रस्तुती दी, जिसमें नृत्य के ज़रिए भारत की सांस्कृतिक परंपराओं की विविधता में एकता को दिखाया गया।

इस समारोह में एक उर्जा से भरपूर जनजातीय नृत्य, एक सुंदर लद्दाख नृत्य और लद्दाख के एक छात्र का शानदार सोलो परफॉर्मेंस भी शामिल था। इस कार्यक्रम ने अलग–अलग आदिवासी संस्कृतियों को एक प्लेटफॉर्म पर खूबसूरती के साथ लाया और साझी विरासत के ज़रिए एकता पर ज़ोर दिया।

कार्यक्रम के समापन पर आई.आई.टी. दिल्ली के भगवान बिरसा मुंडा प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. विवेक कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने सभी कलाकारों, सहयोगियों और मौजूद लोगों की दिल से तारीफ़ की। उन्होंने इस समारोह को भारत की स्वदेशी विरासत के लिए एक यादगार श्रद्धांजलि बताया।

हिन्दी कक्ष द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित दूरभाषः EPABX 7144

मुद्रकः सागर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, नई दिल्ली। ई–मेलः sagarprinters@gmail.com